Shlōk Mapping the Art Movements of Maharashtra

विशाल राज्य महाराष्ट्र बना है कोकण, पश्चिम महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, खानदेश और विदर्भ जैसे अलग पहचान वाले इलाकों से. इनमें से हर एक इलाके की अपनी अलग सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान है. तकरीबन अनजान से कस्बों में रहने वाले कलाकारों में भी स्थानीयता, अर्थव्यवस्था, सामाजिक ताना-बाना, सांस्कृतिक पहचान जैसे इलाकाई गुण कितनी तीव्रता के साथ उभरकर सामने आते हैं? जब अधिकांश कलाकार शहरों का रुख करते हैं तो वे अपने आस-पास के माहौल के साथ किस तरह से तालमेल बिठाते हैं? 'रिथिंकिंग द रीजनल' प्रदर्शनी 1940 से 1950 के दशक से लेकर वर्तमान समय तक कला जगत के विविधतापूर्ण और चौड़े कैनवास के समग्र चित्रण का प्रयास है. यह प्रदर्शनी, आजादी के पहले के दिनों से लेकर आज तक की कला की स्थिति का जायजा लेने की एक कोशिश है. जिसमें कलाकृतियों के अंदाज, उनमें कही गई बात के साथ कला की विभिन्न शैलियों (आर्ट स्कूल्स), कला की शिक्षा, कला को संरक्षण, कला के कदरदान पारखी, क्षेत्रीय कला साहित्य जैसे पहलुओं की भी पड़ताल की जाएगी.

श्रीमती शीतल दर्डा ने श्लोक की स्थापना महाराष्ट्र के सुदूरवर्ती और छोटे कस्बों, गांवों के उन कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने के लिए की थी, जिनकी कला को कदरदानों की दरकार तो थी, लेकिन जिनकी पहुंच कला दालनों तक नहीं थी. श्लोक ने एनजीएमए मुंबई को साथ लेकर बतौर संयोजक डॉ. मनीषा पाटिल और बतौर प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्रीमती शीतल दर्डा की मदद से 'रिथिंकिंग द रीजनल' की कल्पना को साकार किया.

The expansive state of Maharashtra comprises distinct territories such as Konkan, Western Maharashtra, Marathwada, Khandesh, and Vidarbha, each of which possesses a unique socio-political and cultural flavor. How intensely do provincial features such as locale, economy, social structure, culture manifest in works of artists tucked away in relatively faceless towns? When most artists migrate to urban spaces how do they negotiate with their new environment? 'Rethinking the Regional' endeavors to cover a wide and ambitious spectrum of the art scene from the 1940's and 50's till the present times. Identifying regions, artists and works of art. The exhibition maps art practices in the regional domain from the pre independence period to the present, appraising styles and content of artworks, examining aspects such as art schools, art pedagogies, patronage, connoisseurship and regional art literature.

Shlok was established by Mrs. Sheetal Darda with the aim to provide a platform to promising artists from faraway towns and smaller cities in Maharashtra who needed to be more visible but had limited means of getting access to avenues in art. Shlok in collaboration with NGMA Mumbai has envisaged 'Rethinking the Regional', with Dr. Manisha Patil as the Curator and Mrs. Sheetal Darda as Project Director.

राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
सर कावसजी जहांगीर पब्लिक हॉल, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, मुंबई - ४०० ०३२

NATIONAL GALLERY OF MODERN ART
Ministry of Culture, Government of India
Sir Cowasji Jehangir Public Hall, Mahatma Gandhi Road, Fort, Mumbai - 400 032
Ph.: +91 022-2288 1969 / 1970 Telefax : +91 0022-2285 2457
E-mail : ngma.mumbai@gmail.com, www.ngmaindia.gov.in

Rethinking the Regional

रिथिंकिंग द रीजनल

Shlōk Mapping the Art Movements of Maharashtra

नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, मुंबई
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
एवं
श्लोक
महाराष्ट्र के कला आंदोलन का जायजा

''रिथिंकिंग द रीजनल''
के उद्घाटन में आपको सादर आमंत्रित करती हैं

संयोजक डॉ. मनीषा पाटिल

मुख्य अतिथि
महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री
श्री देवेंद्र फडणवीस
प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे

विशेष उपस्थिति
डॉ. फिरोजा जे. गोदरेज
अध्यक्ष, सलाहकार समिति, एनजीएमए, मुंबई

श्री विजय दर्डा
सांसद राज्यसभा व चेयरमैन लोकमत मीडिया प्रा. लि.

श्री राजेंद्र दर्डा
एडिटर इन चीफ, लोकमत मीडिया प्रा. लि.

उद्घाटन
शुक्रवार 7 अगस्त 2015 शाम 05.00 बजे

प्रदर्शनी
8 अगस्त से 20 सितंबर 2015 सुबह 11.00 से शाम 06.00 बजे तक (सोमवार और राष्ट्रीय अवकाश के दिन बंद रहेगी)

सेमिनार
समकालीनता
क्षेत्रीय केंद्रों के मुद्दों की पड़ताल और कला में समकालीनता पर चर्चा दो भाषाओं में (मराठी और अंग्रेजी)
शनिवार, 12 सितंबर 2015, सुबह 10.30 से शाम 06.00 बजे तक

नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट
सर कोवासजी जहांगीर पब्लिक हॉल, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, मुंबई-400032

उत्तरापेक्षी दूरभाष
Tel.: 022 2288 1969/70

National Gallery of Modern Art, Mumbai
Ministry of Culture, Government of India
and
Shlok
Mapping the Art Movements of Maharashtra

cordially invites you to the inauguration of exhibition

"Rethinking the Regional"

Curated by Dr. Manisha Patil

Our Chief Guest
Hon'ble Chief Minister of Maharashtra,

Shri Devendra Fadnavis

will inaugurate the exhibition

In the esteemed presence of

Dr. Pheroza J. Godrej
Chairperson, Advisory Committee, NGMA, Mumbai

Shri Vijay Darda
MP, Rajya Sabha and Chairman, Lokmat Media Pvt. Ltd.

Shri Rajendra Darda
Editor-in-Chief, Lokmat Media Pvt. Ltd.

Inauguration
On Friday 7th August 2015 at 5pm

Exhibition
On view from **8th August to 20th September 2015**
11am to 6pm (Closed on Mondays & National Holidays)

Seminar
Being Contemporary
Examining issues of Regional Centers and the Contemporary in Art
Bi-lingual (Marathi, English), **On Saturday, 12th September, 10.30am to 6pm**

National Gallery of Modern Art, Mumbai
Sir Cowasji Jehangir Public Hall, Mahatma Gandhi Road, Fort, Mumbai - 400 032

R.S.V.P.
Tel.: 022 2288 1969/70